

प्रयोगिकी

6

- ① जल प्रदूषण मापने की डिकोर्ड - BOD (Biological Oxygen Demand)
- ② दृति प्रदूषण मापने की डिकोर्ड - DB (Dissolved)
- ③ यहाँ मफ्तुर सम्भवित है - दृति प्रदूषण से
- ④ विश्व का सबसे ऊंचा जल भूमि - कोटापेंसी (19613 फिट)
- ⑤ पृथ्वी की एक मालकिनी है - कुण्डमेखला, आकाशगंगा
- ⑥ भूमध्य मार्गी यह - सिसमोग्राम (1780 जान मिले)
- ⑦ सबसे लंबारनाक पर्वतमानी किलो - UV-C
- ⑧ दण्डिया को अफीला से अलग करता है - लाल सागर इवं हेज नहर
- ⑨ विश्व का सबसे ऊंचा पठार - पामीर
- ⑩ झीलों का केश / हजार झीलों का केश - फिलेंड
- ⑪ किसानों का देश / सभुजों की राजी - फांसी
- ⑫ नीबी और कटोरा - कम्पुखा
- ⑬ सबसे नड़ा बन्दरगाह - न्यूयॉर्क
- ⑭ बनों का देश - कांगो
- ⑮ नायोडीजल प्राप्त होता है - जेट्रोफा (रत्नजोत) से
- ⑯ तिलमिन C की कमी से होने वाला रोग - स्कर्फ
- ⑰ युपी में सर्वाधिक मेला - मसुदा (४६), कानपुर (४०), लखनऊ (७७)
- ⑱ सबसे कम मेला - पीलीभीत
- ⑲ भारत के चार महानगरों ने आपस में जोड़ता है - स्वर्णमि चतु शुभि
- ⑳ विश्व का सबसे ऊंचा सड़क मार्ग - लैह (जी नगर)
- ㉑ देश की सबसे लम्बी द्वितीय करने वाली रेलगाड़ी - तिरेकु (डिल्लूगढ़ - कन्याकुमारी ५२८६ KM)
- ㉒ विश्व का सबसे लम्बा लेटफार्म - गोरखपुर (३५५ मी.)
- ㉓ भारत की पहली निवी द्रेन - तेजस एक्सप्रेस (लखनऊ से किली)
- ㉔ प्रथम कृतिम उपग्रह - आर्यमित्र
- ㉕ भारत का पहला रेलवे तिरनगियालय - बडोकरा (गुजरात)
- ㉖ भारत में सर्वप्रथम रेल गाड़ी - लाली गाड़ी - मुम्मई से थाने १० अप्रैल १८५३
- ㉗ घोनी के जाफ़ार - मेलर ध्यान चन्द्र
- ㉘ घोनी, फूटबाल, क्रिकेट में जिलाड़ी की संरचया - ११
- ㉙ २०२० में किस ग्लोबर को मेजर ध्यान रखें रखें रखें मिला - ऐटिं शर्मा
- ㉚ भर्तन पुस्तकार की शुरुआत की गयी - १९६१
- ㉛ भारत का सबसे ऊँचा पठार - दक्षन का पठार
- ㉕ संसार की छत - पामीर का पठार

पर्यावरण

- ① भारतीय पर्यावरणिकी तल के जनक - डॉ रामदेव मिस
- ② निश्चत में सतर्गिधक जैव विविधता किस देश में पार्वी जाती है - ब्राजील
- ③ भारत में सतर्गिधक जैव विविधता - केरल (शान्त घाट)
- ④ ग्रन्लैंडीय जैव विविधता दिनांक - 22 मई
- ⑤ निश्चत में कुल घोटस्पार्ट - 36
- ⑥ सतप्रियम हंडरस्पार्ट शॉफ का प्रयोग किया - नार्मन मार्टिन (1988)
- ⑦ फूलों की जारी कहा है? - उत्तराखण्ड (नमोली)
- ⑧ आ- गिर राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है? - गुजरात
- ⑨ सुन्दरगढ़ राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है? - पं. बंगाल
- ⑩ कान्स राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है? - मध्य प्रदेश
- ⑪ निश्चत जा प्रथम राष्ट्रीय उद्यान - मेलोस्वेन (USA) 1872
- ⑫ भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान - जिम कार्बिट 1936
- ⑬ भारत में सतर्गिधक राष्ट्रीय उद्यान - अज्जमान निकोबार इवं मध्य प्रदेश
- ⑭ भारत में कुल जैव प्रष्टल आरक्षित हेल - 18
- ⑮ गुनेश्वर के द्वारा मान्यता प्राप्त जैव प्रष्टल आरक्षित हेल - 11
- ⑯ प्रथम जैव प्रष्टल आरक्षित हेल - नीलगिरि (1986)
- ⑰ रुक सींग नाला गैड़ - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम)
- ⑱ रामल कंगाल टाउनर - सुन्दरगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (पं. बंगाल)
- ⑲ वर्तमान समय में भारत में सतर्गिधक नाम है - मध्यप्रदेश (526)
- ⑳ अन्तर्राष्ट्रीय लाघ फिल्स - 23 फुटाई
- ㉑ निश्चत हाथी दिवस - 12 अगस्त
- ㉒ निश्चत गैड़ फिल्स - 22 सितम्बर
- ㉓ नन मदोत्सव - फलकरी इवं नुलाई का प्रथम सालाह
- ㉔ वन्य जीव सालाह - 1 से 7 अक्टूबर
- ㉕ राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता मास - 19 अक्टूबर से 18 नवम्बर
- ㉖ निश्चत जल संरक्षण फिल्स - 22 मार्च
- ㉗ निश्चत पृथ्वी दिवस - 22 अप्रैल
- ㉘ निश्चत पर्यावरण फिल्स - 5 फूल
- ㉙ निश्चत जनसंरक्षण फिल्स - 11 फुलाई
- ㉚ निश्चत ओजोन संरक्षण फिल्स - 16 सितम्बर
- ㉛ निश्चत वन्य जीव फिल्स - 3 मार्च
- ㉜ निश्चत पर्यावरण संरक्षण फिल्स - 26 नवम्बर
- ㉝ निश्चत एड्स फिल्स - 1 दिसम्बर
- ㉞ चलोवत नार्मिंग के 9 लिय सक्से भण्डार उत्तरदायी राष्ट्र - चीन, अमेरिका
- ㉙ ताजमहल के पीले होने का कारण - सत्तर डाई आइसोइड (102)

बाल विकास

- ① प्रतिभाशाली बालक की बुहु लंबित - १५८ से अधिक
- ② बालक के केन्द्र में सामान्यता कितने जूनसज्ज दोने हैं - २३ जोड़े
- ③ भूख, त्यास, निष्ठा, विप्रतिष्ठा में मर्मित अभिप्रेरणा के अनुग्रह आता है - प्रतिष्ठा
- ④ सीली गारी समाप्ति को पुनर स्थान रखने की असफलता तथा कहलाती है - विस्मृति
- ⑤ टीनी की आयु किसे कहते हैं - बालमावस्था
- ⑥ वह प्रेरक जिन्हे व्यक्ति अपने प्रयासों द्वारा प्राप्त करता है - अभित अभिप्रेरक
- ⑦ ३-४ सिद्धान्त के जन्मदाता - भान्डाइकु
- ⑧ T.K. पासी का समवन्ति किससे है - सूजनसंकर्ता
- ⑨ स्लिनर का प्रयोग किस तर्थ पर माधारित है - पुनर्बलन
- ⑩ जन्म के समय बालक का भारतीय लम्बाई - ३.२४३kg, २०.५ इंच
- ⑪ जन्म के समय बालिका की भारतीय लम्बाई - ३.२३४kg, २० इंच
- ⑫ बालक को ४ वर्ष में लगभग कितने शतलों का व्यान हो जाता है - लगभग ५६०० शतले
- ⑬ बुहु कितने प्रकार की होती है - उप्रकार
- ⑭ भान्डाइकु के अनुसार बुहु के प्रकार - ३ (सामाजिक, स्मृति, क्रमूर्ति)
- ⑮ गोरेट के अनुसार बुहु के प्रकार - ३ (मूर्ति, अमूर्ति, सामाजिक)
- ⑯ १० वर्ष का बालक शायक कोई ऐसा रखेत नहीं जो खेला न
- ⑰ पितृ प्रेम ग्रन्थ किसमें पायी जाती है और नाम भ्या है - बालिकाओं में, इलेक्ट्रो ग्रन्थ
- ⑱ बालमावस्था के अन्य नाम - स्मृति, गान्धी भवस्था, जीवन का मानोस्ता काट, विद्यालय की आयु, स्मार्ट रेज
- ⑲ किशोरावस्था जीवन का सबसे कठिन काल है - किलोमेट्रिक
- ⑳ माटूप्रेम ग्रन्थ किसमें पायी जाती है और नाम भ्या है - बालकों में
- ㉑ पितृ तिरोच्ची ग्रन्थ किसमें होती है - बालकों में
- ㉒ जन्म के समय बालक के मस्तिष्क का भार - ३५० g/cm
- ㉓ मनोविज्ञान के जन्म - अरस्टू
- ㉔ मनोविज्ञान का शक्तिकृ भर्य - मन या आत्मा का विज्ञान
- ㉕ साइनोलोजी शायक की उत्पत्ति हुयी - ग्रीक भाषा से
- ㉖ आषुनिक मनो विज्ञान के जन्म - विल्फ्रेस फ्रेस
- ㉗ बिज्ञा मनोविज्ञान के जन्म - भान्डाइकु
- ㉘ प्रथम बुहु परीक्षण हुआ - १९०५ में
- ㉙ भारत में प्रथम बुहु परीक्षण हुआ - १९२२ में
- ㉚ बुहु परीक्षणों का जन्मदाता - अर्सेट ब्रिने व साइमन

- ① भाषा की सबसे होटी इकाई - द्वनि
- ② लेखन के माध्यम से भाषा की सबसे होटी इकाई - वर्ण
- ③ उत्तरण के माध्यम से भाषा की सबसे होटी इकाई - द्वनि
- ④ संस्कृत व्याकरण के जनक - पाणिनी
- ⑤ अष्टादश्याई का पहला सूत्र - हृष्टि भाष्य
- ⑥ महेश्वर सूत्र में एकरों का नाम - अच्
- ⑦ महेश्वर सूत्र में व्यजनों का नाम - हृष्ट
- ⑧ संस्कृत में कुल वर्णों की संख्या - 50
- ⑨ संस्कृत में मूल स्वर - अ, इ, उ, ऋ, ऌ
- ⑩ संस्कृत में संयुक्त स्वर - रु, रे, ओ, औ
- ⑪ स्वर के प्रकार - 3 प्रकार - ① हृष्ट स्वर, ② दीर्घ स्वर, ③ लुत स्वर
- ⑫ अत्यन्त व्यंजन - 4 (र्ष, रु, ल, व)
- ⑬ आपम व्यंजन - 4 (श, ष, स, ह)
- ⑭ संयुक्त व्यंजन - 3 (ङ, न, ळ)
- ⑮ जो न तो रवर होते हैं न तो व्यंजन कहताते हैं! - आयोगवाद
- ⑯ अनुरवार और अनुनासिक जो कहते हैं! - आयोगवाद
- ⑰ कालीकाश की रचना - ऋतुसंहार, कुमारसंभवम्, मेपद्मतम्, रघुविभम्, अभिजान शंकुतलम्, विक्रमोक्षियम्
- ⑱ संस्कृत भाषा की लिपि - देवनागरी
- ⑲ स्वर और व्यंजन के बीच स्थित वर्ष क्या कहताती है - अत्यन्त
- ⑳ दीर्घ सन्धि का नियम - आ/आ + अ/आ = आ
- ㉑ गुण सन्धि का नियम - आ/आ + ठ/ई = रु, आ/आ + उ/ऊ = ओ
- ㉒ प्रायादि सन्धि का नियम - रु+अ = अर्य, रे+अ = आर्य
- ㉓ वृहि सन्धि का नियम - झो+अ = आर्य, झो+ठ = आर्य
- ㉔ यण सन्धि का नियम - झ+आ = झौ, प्रा+झो = झौ
- ㉕ जिन वर्षों के उत्तरण में वसु द्वि रगड़ से उत्तर दोती है - य्या
- ㉖ लट्टलकार से किस नाल का लोट्य होता है - कर्त्त्वान नाल
- ㉗ क्रिया से सीधे संन्यंथ रखने वाले शब्दों को कहा जाता है - कारक
- ㉘ संस्कृत में कारक के प्रकार - 6 प्रकार
- ㉙ कर्मवाच्य में किस प्रकार की क्रियाओं का प्रयोग होता है - केवल संक्षिकि
- ㉚ भाववाच्य में किस प्रकार की क्रियाओं का प्रयोग होता है - भक्षकि

वाल विकास

- ① गणित सम्बन्धी समस्या कृत्तिमयी है - डिस्ट्रॉक्युलिया
- ② पढ़ने की जड़मता है - डिस्लेमिसया
- ③ विकास की अवस्थाओं की ट्रूचिट से समस्याग्रस्त बातों के कितने प्रकार हो सकते हैं - पाँच
- ④ मौखिक रूप से सीखने की मजबूती है - रॉफेज्या
- ⑤ जॉन नी. डिक्को ने अधिकैरण ढेने ताले पाटकों की संख्या ज्ञाती है - 10
- ⑥ प्रयोगाभ्यास निश्चियों को सर्वप्रथम प्रस्तावित किया - विलहेल्म बुन्ट ने
- ⑦ प्रारम्भ में मात्रा का प्रयोग किस शास्त्र में किया जाता था - कृष्णशास्त्र
- ⑧ 1882 ई० में किस प्रयोगवैज्ञानिक द्वारा अनुदान में माननीय विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए प्रयोग शास्त्र का निर्माण किया गया - इकेड बिने
- ⑨ मनोविज्ञान गिज़ा का भाषार भूत सिद्धान्त है - किसने कहा - स्किनर
- ⑩ आधुनिक मनोविज्ञान का अर्थ है - त्यक्तमर का अध्ययन
- ⑪ गिज़ा मनोविज्ञान की उत्पत्ति का वर्ष कौन सा ग्रन्त जाता है - 1900
- ⑫ मकतव में किस स्तर की शिक्षा की जाती है - प्राथमिक शिक्षा
- ⑬ किस घोषणा पर को भारतीय शिक्षा का विकासरूप रहा जाता है - बुड़ा की घोषणा
- ⑭ हॉपोक्रेट्स के अनुसार व्यक्तिता के भाग - 4 (काला, पीला, कुर्च, रक्त)
- ⑮ मूलों के भाषार पर व्यक्तिता के भाग - स्ट्रेन्जर ने 6 भाग बताए
- ⑯ शरीर सरचना के आधार पर व्यक्तिता के भाग - ① केंद्रमर ने 4 भाग बताये
② बोल्डन ने 3 भाग बताये
- ⑰ भारतीय इटिट लोगों के आधार पर व्यक्तिता के भाग - युग्म ने 3 भाग बताये
- ⑱ ग्रन्थियों के भाषार पर व्यक्तिता के भाग - ३ (स्तोगुण, रसोगुण, तमीगुण)
- ⑲ रोशामसि लक्ष्य परीक्षण किसने किया - कितने कार्ड दिये - ईमीरेशा (1921), 10 कार्ड
- ⑳ T.A.T. परीक्षण कब दुमा कितने कार्ड दिये - 1935, 31 कार्ड (भुवेन मार्गनी)
- ㉑ C.A.T. परीक्षण कब दुमा कितने कार्ड दिये - 1948, 10 कार्ड (उसे 13 वर्ष के C.A.T = Children Adjustment Test (त्रिपार्सेशन लेलाक) बालकों के लिए)
- ㉒ S.A.T परीक्षण कब दुमा कितने कार्ड दिये - 1949, 16 कार्ड (50 वर्ष से अधिक वालों के लिए)
- ㉓ छह - जन्म जात प्रकृति का होता है।
- ㉔ आहम - वास्तविकता से सम्बन्ध रखता है
- ㉕ यसामृहम - समाधिक मान्यताओं संस्कारों व भादरों से सम्बन्धित होता है
- ㉖ शीलगुण के प्रकार - ① जी आलपोई ने 2 प्रकार बताये
② मार्वी केल्ले ने 6 प्रकार बताये
③ रघु जे आइजेंक ने 6 प्रकार बताये
- ㉗ मांग सिद्धान्त के त्रणर - अज्ञातम भेल्लो ने 5 प्रकार बताये
- ㉘ अग्रिक्षित व्यक्ति / बालक के बुहु ना मापन परीक्षण - ठेशविक्रिक बुहु परीक्षण
- ㉙ बुहु लक्षित = $\frac{\text{मानसिक भास्तु}}{\text{वस्तविक भास्तु}} \times 100$

- ① भाषा की सबसे होटी इकाई - द्वनि
- ② लेखन के माध्यम से भाषा की सबसे होटी इकाई - वर्ण
- ③ उत्तरण के माध्यम से भाषा की सबसे होटी इकाई - द्वनि
- ④ संस्कृत व्याकरण के जनक - पाणिनी
- ⑤ अष्टादश्याई का पहला सूत्र - हृष्टि भाष्य
- ⑥ महेश्वर सूत्र में एकरों का नाम - अच्
- ⑦ महेश्वर सूत्र में व्यजनों का नाम - हृष्ट
- ⑧ संस्कृत में कुल वर्णों की संख्या - 50
- ⑨ संस्कृत में मूल स्वर - अ, इ, उ, ऋ, ऌ
- ⑩ संस्कृत में संयुक्त स्वर - रु, रे, ओ, औ
- ⑪ स्वर के प्रकार - 3 प्रकार - ① हृष्ट स्वर, ② दीर्घ स्वर, ③ लुत स्वर
- ⑫ अत्यन्त व्यंजन - 4 (र्ष, रु, ल, व)
- ⑬ आपम व्यंजन - 4 (श, ष, स, ह)
- ⑭ संयुक्त व्यंजन - 3 (ङ, न, ळ)
- ⑮ जो न तो रवर होते हैं न तो व्यंजन कहताते हैं! - आयोगवाद
- ⑯ अनुरवार और अनुनासिक जो कहते हैं! - आयोगवाद
- ⑰ कालीकाश की रचना - ऋतुसंहार, कुमारसंभवम्, मेपद्मतम्, रघुविभम्, अभिजान शंकुतलम्, विक्रमोक्षियम्
- ⑱ संस्कृत भाषा की लिपि - देवनागरी
- ⑲ स्वर और व्यंजन के बीच स्थित वर्ष क्या कहताती है - अत्यन्त
- ⑳ दीर्घ सन्धि का नियम - आ/आ + अ/आ = आ
- ㉑ गुण सन्धि का नियम - आ/आ + ठ/ई = रु, आ/आ + उ/ऊ = ओ
- ㉒ प्रायादि सन्धि का नियम - रु+अ = अर्य, रे+अ = आर्
- ㉓ वृहि सन्धि का नियम - झो+अ = आर्, झो+ठ = आर्
- ㉔ यण सन्धि का नियम - झ+आ = झौ, प्रा+झो = झौ
- ㉕ जिन वर्षों के उत्तरण में वसु की रगड़ से उत्तर दोती है - एवा
- ㉖ लट्टलकार से किस नाल का लोट दोता है - कर्त्तिमान नाल
- ㉗ क्रिया से सीधे संन्यंथ रखने वाले शब्दों को कहा जाता है - कारक
- ㉘ संस्कृत में कारक के प्रकार - 6 प्रकार
- ㉙ कर्मवाच्य में किस प्रकार की क्रियाओं का प्रयोग होता है - केवल संक्षिकि
- ㉚ भाववाच्य में किस प्रकार की क्रियाओं का प्रयोग होता है - भक्षकि

हिन्दी

- (६४) दो वर्णों के भेद को कहते हैं - सन्धि
- (६५) सन्धि के भेद - ३ (स्वर, व्यंजन, विसर्ग)
- (६६) स्वर सन्धि के भेद - पाँच भेद
- (६७) समास का शब्दिक अर्थ होता है - संक्षेप
- (६८) समास के प्रकार - ६ प्रकार
- (६९) अलंकार का शब्दिक अर्थ - सजावट, क्षुगार, आभूषण
- (७०) अलंकार का प्रकार - २ (शब्दावलिकार, अस्थिरिकार)
- (७१) द्वितीय सन्धि - अ/आ+अ+आ=आ, ड/ई+इ+ई=ई
उ/ऊ+उ/ऊ=ऊ, झ/ঝ+ঝ/ঝ=ঝ ঝন+ঝৰ্ণ=ঝনা, ঝ
- (७२) तृतीय सन्धि - अ/আ+এ+ই=ই, অ/আ+উ/উ=উ
অ/আ+ঞ্চল=আর
কেব+ঞ্চল (অ+ই)=কেবেন্দ্ৰ
- (७३) তৃতীয় সন্ধি - অ/আ+ৱ/ৱে=ৱে, অ/আ+মো+া=া
এক+খক (অ+ৱ)=খকেন্দ্ৰ
- (৭৪) মৃত্যু সন্ধি - ড/ই+অসমান স্বর=য়,
উ/ऊ+অসমান স্বর=ৱ, জ/ঝ+অসমান স্বর=ৱ
মধি+অসমান (ড+অ)=মদ্যযন
- (৭৫) অসাধি সন্ধি - এ+অসমান স্বর=অস, এ+অসমান স্বর=অয়
ও+অসমান স্বর=অল, জ+অসমান স্বর=আব
- (৭৬) নে+অন (ই+অ)=নগন
- (৭৭) অত্যধী ভাব সমাস - মুর্দ্দিপদ অত্যধী যা উপসর্গ দ্বাৰা
প্রতিফলিত = ফিল-ফিল
যুগ্মাতিথি = তিথি কে অনুসার
- (৭৮) তসুরুষ সমাস - অনিম্ন পদ প্রধান, বিমিহিত কা লিঙ্গ, বপন দ্বারা
পদ কে অনুসার ঢেলা হै दোনो पदों के बीच कार्य
ফিল কা লোপ হোতা হै -
- (৭৯) গগন-চুম্বী - গগন কো চুম্বনে বাল
- (৮০) কর্মনির্বাস সমাস - মুর্দ্দিপদ বিশেষণ তমা উত্তর পদ বিশেষণ
মহাপুরুষ - মহান পুরুষ, পীতাম্বর - পীত অস্ত্র
- (৮১) ছিণু সমাস - পুর্ণিমিক সরল্যা তাচক বিশেষণ
লিলোক - তৈন লোকো তা সমাধার, নবজ্জ্বল - নৌ জ্বরো কা সমাধার
- (৮২) বদ্রুলী সমাস - সমাস পদ জৰু কিৰী অন্য পদ কি বিশেষতা
প্রকট কৰে
- (৮৩) পীতাম্বর - পীলা হৈ পিসকা জম্বুর মৰ্মতি কুণ্ডা
- (৮৪) জালোকৰ - তম্বা হৈ উকৰ পিসকা মৰ্মতি গঠোগ
- (৮৫) রুদ্র সমাস - সম্ভী পদ প্রধান হোতে হৈ।
- (৮৬) রাম-কৃষ্ণ - রাম ওৰ কৃষ্ণ, ভাই-ভৱন - ভাই ওৰ বহন

- ① मनुष्य परिवर्तनशील है प्रकृति के हर पहलू में परिवर्तन कर सकता है
यह अवधारणा है - संभवताकी अवधारणा
- ② पूर्ण मध्य रेलवे का मुख्यालय है - हाजीपुर में
- ③ UNICEF का मुख्यालय है - न्यूयॉर्क में
- ④ महान् भोजन योजना की शुरुआत भारत में सर्वत्रिधम की गयी - तमिलनाडु
- ⑤ डिजिट राष्ट्रीय पार्क है - राजस्थान में
- ⑥ सवाना घास एवल है - अफ्रीका
- ⑦ राज्य लोक सेवा आयोग के भविष्यद्वारा नियुक्ति करता है - राज्यपाल
- ⑧ संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति करता है - राष्ट्रपति
- ⑨ द्वेषीय परिषदों को गठित किसके द्वारा किया जाता है - राष्ट्रपति
- ⑩ विद्यानसभा सदस्यों का नियन्त्रित किसकी देशवस्था में देता है - नियन्त्रित आयोग
- ⑪ जम्मू कश्मीर की विद्यानसभा का कार्यकाल - 5 वर्ष
- ⑫ तेलंगाना में विद्यान परिषद में सदस्यों की संख्या - 40
- ⑬ किसके समाज किया जा सकता है परन्तु भग नहीं - विद्यान परिषद
- ⑭ विद्यान सभा के परिषद कितने वर्षों के लिए नियमित होते हैं - 6 वर्ष
- ⑮ राज्य सरकार को वर्जित किया जा सकता है - राज्यपाल की सिद्धारिता पर
राष्ट्रपति द्वारा
- ⑯ गवर्नर द्वारा भारी किया गया अध्यादेश किसके द्वारा मंचुर
किया जाता है - विद्यानपञ्चत
- ⑰ भारत की प्रथम महिला आईपीयस अफसर - जिल्हा वेदी
- ⑱ संस्कृत राष्ट्र सुन्दर परिषद में स्थायी सदस्य - 5
- ⑲ अनुदेश 350 का प्रथम प्रबोधन कब और कहाँ हुआ - केवल 1959
- ⑳ भारत में हिमालय की सर्वेन्द्रिय पर्वत - बोटी है - कंचनजंघा
- ㉑ भारत में सबसे ऊँची पर्वत - बोटी - गोडविन ओस्टिन
- ㉒ भारत की उच्ची सभा पर स्थित पर्वत - हिमालय
- ㉓ मरस्यावा बनकर्गाह किस देश में स्थित है - इरीदिया
- ㉔ युपी के जमीनी जिला का मुख्यालय स्थित है - गोरीगंज
- ㉕ चन्द्रघोसर आजाह क्षेत्र एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय उत्तरो में किस
आह में है - कानपुर
- ㉖ प्रदेश में सर्वप्रथम किस पक्षी की रक्षापना की गयी -
नवाकड़ाज पक्षी विद्यार
- ㉗ २०१ के जन्मगाना के नुसार युपी का सामाजिक याहारता जिला - गोतम बुद्ध नगर
- ㉘ चन्द्रघोषा वन्य जीव विहार युपी के किस जिले में है - चंदोली
- ㉙ १९८० की लिट से युपी का भारत के राज्यों में स्थान - चतुर्थ
- ㉚ मेघ युपी के किस भाग में स्थित है - पश्चिम
- ㉛ युपी भारत के कुल लोगों का लगभग कितना %, धारण करता है - 7%

हिन्दी

- (35) हिन्दी में विराम चिन्ह की आवश्यकता किस भाषा से ही - अंग्रेजी
- (36) कामता प्रसाद गुरु ने विराम चिन्ह लिया - 20
- (37) विशीर्ण अर्थ के लिए शब्द - विवेम / विपराप्ति
- (38) ऐसे शब्द जिनके प्रथम अर्थ यमान हो - पृष्ठविवाची
- (39) ऐसे शब्द जिनके एक ये अधिक अर्थ होते हैं - अनेकार्थी
- (40) वर्णों के सार्वकु समूह - शब्द
- (41) भाषा की अवस्थे कोई सार्वकु इकाई - शब्द
- (42) सज्जा के भेद - 5
- (43) सर्वनाम के भेद - 6
- (44) सज्जा के स्थान पर प्रयुक्त कोने ताले शब्द - सर्वनाम
- (45) हिन्दी में कुल सर्वनाम - 11
- (46) इन्हाँ के आधार पर क्रिया के भेद - 2 (सक्रिय, अक्रिय)
- (47) विशेषण के भेद - 4
- (48) सज्जा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द - विशेषज
- (49) विशेषज जिस शब्द की विशेषता बताता है कहताता है - विशेषज
- (50) विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द - प्रविशेषण
- (51) विशेषण की प्रतस्थायें - 3 (मूलवर्त्या, उत्तरावर्त्या, उत्तमावर्त्या)
- (52) लिंग का शब्दार्थ - प्रतीक्य या चिन्ह या निशान
- (53) लिंग के प्रकार - 2 (पुलिंग, स्त्रीलिंग)
- (54) वचन के प्रकार - 2 (एकवचन, बहुवचन)
- (55) कारक का अर्थ - किसी कार्य को करने वाला
- (56) कारक के भेद - 8 कारक
- (57) काल के प्रकार - 3 (वर्तमान, भूत, भवित्व)
- (58) वाच्य के प्रकार - 3 (कर्तवाच्य, कर्मवाच्य, आववाच्य)
- (59) उपसर्ग - जो किसी शब्द के पहले आकर उसका विशेष अर्थात् विशिष्ट करता है
- (60) उपसर्ग - पृष्ठ + सर्ग (समीप + सृष्टि करना)
- (61) हिन्दी में उपसर्ग - 10
- (62) प्रत्यय - मूल शब्दों के बाक जो शब्दांश जोड़ा जाता है।
- (63) प्रत्यय - प्रति + अय (साय में + धृत्वेवाला)
- (64) मुहावरों को ओरच्चा कहते हैं - वारधारा
- (65) मुहावरा किस भाषा का शब्द है - अख्खी भाषा
- (66) मुहूर्या - ठड़ या विशिष्ट अर्थ में प्रयुक्त वाक्यांश मुहावरा कहलाता है।
- (67) हिन्दी में उलिंग से स्त्रीलिंग बनाने के लिए प्रत्यय - (ठ, द्वा, इन, नी, आनी, आँजन, आ)

संस्कृत

- ① तिमुनी कौन-है - पतंजली, पाणिनी, काल्याणन
- ② मेष्टर सूत्र का क्षमा से प्राप्त हुआ? - शंकर जी के उमर से
- ③ आचार्य पाणिनी के मान, पिता तथा गुरुजा नाम - माता लक्ष्मि, पिता वर्त्तक
- ④ प्रवठाध्यार्थी में कितने पाद, कितने घुट हैं - 32 पाद, लगभग 4000 घुट
- ⑤ प्रवठाध्यार्थी को विश्वने में कितने पपकुरणों का प्रयोग किया जाया - 6
- ⑥ वर्तिका किसमें लिखी गयी है? - वाक्य में
- ⑦ महाभाष्य ग्रन्थ के रूपानाकार - पतञ्जलि
- ⑧ महेश्वर सूत्रों की संख्या - 14
- ⑨ मूळस्तर - 5
- ⑩ दोलस्तर - 9
- ⑪ अद्वैतस्तर - 4
- ⑫ प्रत्याहार - 43
- ⑬ व्यञ्जन - 33
- ⑭ मूलस्तर - अ, इ, उ, ऊ, ल
- ⑮ समुक्त स्तर - रु, ए, ओ, औ
- ⑯ स्वर के प्रकार - हस्त स्वर्ण, दीर्घ स्वर, मिलित स्वर
- ⑯ व्यञ्जन के प्रकार - उपर्युक्त, अन्तर्स्थ, क्लृप्त
- ⑰ नार्तिका छल्क में सभी माता गुरु होने पर - ग्रगण
- ⑱ नार्तिका छल्क में सभी माता लक्ष्मि होने पर - चंगल
- ⑲ समास के भेद - केवल समास ② प्रत्ययी भाव ③ तेलुरुष ④ बहुवीहि ⑤ छन्द
- ⑳ ताच के प्रकार - ① कृत ताच ② कृम ताच ③ भाव ताच
- ㉑ सन्धि के प्रकार - ① स्वर सन्धि ② व्यञ्जन सन्धि ③ विस्त्रित सन्धि
- ㉒ काल्पनिकी, हृषीकरितम्, वर्णीशातकम् के लेखक - बागवटट
- ㉓ पंचतन्त्र के लेखक - विष्वुब्राह्मि
- ㉔ मेधावितम् के रूपानाकार - कालिदास
- ㉕ गंगालही के रूपानाकार - एंड जग-बाध
- ㉖ हर्षतिथि के प्रमुख नाटक - प्रियदर्शिका, रघुवाली, नामानन्द
- ㉗ मुद्राराजाशाम् का लेखक - विशारदकृत
- ㉘ जिन तर्णों के उत्तराखण में तामु की रुग्ण से उपल्ल दोती है - कृष्ण व्यजन
- ㉙ क्रिया के साथ ही ही संबंध रखने वाले शब्दों को क्या कहा जाता है - कारक
- ㉚ कारक की संख्या - 6
- ㉛ ① कृति कारक, ② कृमि कारक, ③ भविकल्प में विभिन्न - प्रगमा ④ हितीय ⑤ सत्त्वी
- ㉜ कर्मवाच्य में किस प्रकार के क्रियाओं का प्रयोग होता है? - केवल अकर्मकि
- ㉝ आवलात्य में किस प्रकार के क्रियाओं का प्रयोग होता है? - अकर्मकि
- ㉞ कर्त्त्ववाच्य किस प्रकार की क्रियाओं के नाम होते हैं? - सकर्मकि एवं अकर्मकि
- ㉙ सिद्धान्त को भुद्धी किसकी रूपना है? - भटोपी दीक्षित

- (31) मैसलो के अनुसार अभिप्रेरक का प्रकार - 2 (जन्मजात, अजित)
- (32) धार्मपर्यान के अनुसार अभिप्रेरक का प्रकार - 2 (खाजानिक, लूकिम)
- (33) गैरेट के अनुसार अभिप्रेरक के प्रकार - 3 (मनोवैज्ञानिक, लैरिक, सामाजिक)
- (34) अन्य मनोवैज्ञानिक के अनुसार अभिप्रेरक के प्रकार - 2 (प्रायमिक, द्वितीयक)
- (35) अभिप्रेरणा के मूल प्रतिक्रियान्त के अतिपादक - मैकडूगल (1908)
- (36) अभिप्रेरणा के मांग सिद्धान्त के प्रतिपादक - डाक्राटम भैसलो (1854)
- (37) अभिप्रेरणा के मांग सिद्धान्त का मन्य नाम - आवध्यस्ता का सिद्धान्त / पदानुक्रमिक सिद्धान्त
- (38) अभिप्रेरणा का प्रबोध मूलता सिद्धान्त के प्रतिपादक - लियोनार्ड हॉल (1942)
- (39) अभिप्रेरणा के विश्लेषणात्मक सिद्धान्त के प्रतिपादक - सिम्मण्ड फ्रायड
- (40) बुहि कार्य करने की विधि है - बुडवर्ड
- (41) थार्डियन के अनुसार बुहि का प्रकार - 3 (सामाजिक, स्थूल, अर्घ्य)
- (42) गैरेट के अनुसार बुहि का प्रकार - 3 (स्थूल, अर्घ्य, सामाजिक)
- (43) एक कारक सिद्धान्त के प्रतिपादक - विने (1905)
- (44) हिं कारक सिद्धान्त के प्रतिपादक - स्पीयर बेन (1904)
- (45) वहुमारक सिद्धान्त के प्रतिपादक - एडवर्ड ली थार्डियन (1928)
- (46) समूह कारक सिद्धान्त के प्रतिपादक - एल खर्स्टन (1938)
- (47) पदानुक्रमिक सिद्धान्त के प्रतिपादक - फिलिप बर्निं (1960)
- (48) बुहि की संरचना - जे. पी. गालफोर्ड (1967)
- (49) आरोपण का सिद्धान्त - गेस्ट्राट वाह मनोवैज्ञानिक
- (50) अभिप्रेरणा का छोला सिद्धान्त - कुर्ट बेविन
- (51) सांवेदिक बुहि - सैलोवी एंड मेयर
- (52) तरल ठोस बुहि सिद्धान्त - 1963 आर बी कैटल
- (53) वहुबुहि सिद्धान्त - ईवर्ड गर्डनर (1983)
- (54) नितन्त्रक का सिद्धान्त - राबर्ट स्टैन कर्फ (1985)
- (55) मूल्यों का अभियान - डब्ल्यू सी बाल्ट्रे
- (56) मानसिक अनुसारण का सिद्धान्त - गेटस एंड मन्य मनोवैज्ञानिक
- (57) शीलगुड मनोवैज्ञानिक - पी आर बी कैटल ② आलपोर्ट
- (58) T.A.T परीक्षण - मुरे व मार्गन (1935)
- (59) C.A.T. परीक्षण - लियोपांड बेलाक्स (1948)
- (60) सूजनासज्जा का सिद्धान्त - आर्ड ई. टेलर

- ① हृष्ण एवरों की संख्या - 5
- ② भगवन् प्रताधार में माहेश्वर स्थलों की संख्या - 4
- ③ पाणिनीय प्रवेशाय लघुपिहान्त जोमुदीप में महाबाचल है - वस्तु निर्देशनम्
- ④ गण में कितने इत्यंजक वर्षे हैं - दो
- ⑤ उपदेश का क्या अर्थ है - आप उच्चारण
- ⑥ आध्यात्मिक प्रयत्न कितने प्रकार के हैं - पाँच
- ⑦ पत्नि कितने प्रकार के होते हैं - दो
- ⑧ मनुसभ्यति के मनुसार धर्म के लक्षण हैं - छः
- ⑨ संस्कृत में उपर्याप्ति - 22
- ⑩ जट कर्णिय का प्रमेला - 18
- ⑪ जट वर्ष के प्रमेष्ट होते हैं - 12
- ⑫ निष्ठा संज्ञा होती है - कह और क्तव्य
- ⑬ परः लक्षितकर्षः क्या है - सहिता
- ⑭ इति किसे कहते हैं - इति को
- ⑮ इत्यंजक सूत है - इत्यन्तम्
- ⑯ माहेश्वर सूत का प्रयोजन क्या है - प्रताधार औ निमिति करना
- ⑰ तिब्बत मजरी किसकी रचनाकृति है - धनपाल
- ⑱ सण्णाततिः मो हिन्दी में कहा जाता है - १६
- ⑲ राजि के प्रारम्भ काल को कहते हैं - प्रदीपः
- ⑳ किस लेखक को लीपिग्रिहा कहते हैं - कालिदास
- ㉑ शतलानुशासनम् के रचनाकार हैं - हेमचन्द्र
- ㉒ जुहू वर्णितम् कस्य रचनाकृति, भास्ति? - जग्वधोष
- ㉓ राजशेष्वर द्वारा रचित ग्रन्थ है - कपूरिमजरी और वातरामायण
- ㉔ खफङ्गठथन्तत्त्व सूत में प्रत्याहार है - हृषि
- ㉕ अनार्थः परत्वारत्यक्तवारः यह सूचित है - अभिक्तानशाकुन्तलम्
- ㉖ क्रत्याकर्ष के रचनाकार हैं - दण्डी
- ㉗ माहेश्वर सूत के अल्प नाम - प्रताधार सूत, शिवसूत, अल्प समाज्ञाय, शक्तरसूत
- ㉘ संस्कृत दित्यस मनसा जात है - भावणी पूर्णिमा
- ㉙ पाणिनी ने निधन तिथि की - तायोदृशी
- ㉚ शुक्लास ने किसे उपदेश किया था - चन्द्रापीड को
- ㉛ अर्थगोरन के तिथि कौन प्रशिद्ध है - भारती
- ㉕ संस्कृत में असोगताह की संख्या कितनी है - चार
- ㉖ अनुनासिक वाकों को कहा जाता है - पंचमात्तर

उत्तर प्रदेश स्पैशल (पम्बिरण)

- ① ३० प्र० का कुल द्वाताफत - २,४०,९२८ वर्ग किमी.
- ② सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले ज़िले - लखनऊ ज़िला, सोनभद्र, हरिहर
- ③ ३० प्र० का उत्तराखण्डीय विस्तार - $23^{\circ}52'N$ से $30^{\circ}31'N$ तक
- ④ ३० प्र० का देशान्तरीय विस्तार - $77^{\circ}3'E$ से $84^{\circ}33'E$ तक
- ⑤ न्यूनतम क्षेत्रफल वाले ज़िले - हापुड, गजियाबाद, संतरविदास नगर
- ⑥ ३० प्र० का गठन - २५ जनवरी १९५०
- ⑦ ३० प्र० के १३ ज़िलों को काटकर ३० प्र० से अलग मैंने राज्य बना - उत्तरांचल
- ⑧ ३० प्र० की प्रशासनिक राजधानी - लखनऊ
- ⑨ ३० प्र० की न्यायिक राजधानी - प्रयागराज
- ⑩ ३० प्र० का राजकीय पश्चु - बारहसिंगा
- ⑪ ३० प्र० का राजकीय पश्ची - सारस / छोच
- ⑫ ३० प्र० का राजकीय पश्च - पवार / टेंसु
- ⑬ ३० प्र० का राजकीय खेत - होकी
- ⑭ ३० प्र० में राजकीय भाषा - हिन्दी (१९५७ में द्वारा, १९६४ में लाया)
- ⑮ ३० प्र० का राजकीय चिन्ह - एक तूह में तीर - धनुष तथा दो महली
- ⑯ ३० प्र० के सर्वाधिक ज़िलों में सर्व करने वाला राज्य - मध्यप्रदेश
- ⑰ सर्वाधिक राज्यों में सर्व गर्वने वाला ज़िला - सोनभद्र
- ⑱ ३० प्र० को द्वितीय दिशाओं से लेकर तीव्र राज्य - मध्यप्रदेश
- ⑲ ३० प्र० में मण्डल - १४
- ⑳ नकाहित मण्डल - अलीगढ़
- ㉑ ३० प्र० में ज़िला - ७५
- ㉒ ३० प्र० में लोकसभा सीट - ४०
- ㉓ ३० प्र० में व्यवसाय सभा सीट - ३१
- ㉔ ३० प्र० में विदान सभा सीट - ५०४
- ㉕ ३० प्र० का नटु - ग्रीष्म, बर्षा, शरद
- ㉖ सर्वाधिक गर्व ज़िला - आगरा और होंसी
- ㉗ सर्वाधिक न्यूनतम गर्व ज़िला - कर्ली
- ㉘ सर्वाधिक तर्ह ताल ज़िला - गोरखपुर
- ㉙ न्यूनतम तर्ह ताल ज़िला - मधुया
- ㉚ सर्वाधिक तर्ह महीना - जनवरी
- ㉛ ३० प्र० की रुषि - रवि, जायद, खरीफ
- ㉜ रत्नपुर - अकब्बपुर- दिल्लीपुर (गोहू, चना, मट, सरसो, मसूर)
- ㉝ जायद फसल - मार्च - अप्रैल (खरबूज, ऊँडी, खीरा)
- ㉞ खरीफ फसल - मई - जून (धान, मक्का, ज्वार, बाजरा)

बाल-विकास

- ① सामान्य रूप से मानव विकास को कितने अवस्थाओं में जाना गया है - 5 अवस्था
- ② ग्रामविहार का समय काल - ग्रामविहार से जन्म तक
- ③ ऐरावातस्या का समय काल - जन्म से पांच वर्ष तक
- ④ बल्यावस्या का समय काल - 8 वर्ष से 12 वर्ष
- ⑤ किशोरावस्या का समय काल - 13 वर्ष से 18 वर्ष
- ⑥ प्रेदावस्या का समय काल - 19 वर्ष से अधिक
- ⑦ टेमहर के कारण उपत्थित में आपा परिवर्तन ही सीखना है - गिलचेट
- ⑧ सीखने का नियम किसने किया - आर्द्धाइकु
- ⑨ आर्द्धाइकु ने कितने सीखने का नियम किया - 3 (त्सरल, अम्बास, प्रभाव)
- ⑩ जैज नियम कितने होते हैं? - पांच प्रकार
- ⑪ आर्द्धाइकु ने किसके ऊपर प्रयोग किया - बिल्ली (1912)
- ⑫ कृते पर किस मनोवैज्ञानिक ने प्रयोग किया - डिवान वी पावलव (1904)
- ⑬ मनुष्यित मनुकिया का सिद्धान्त और किन नामों से जाना जाता है - अनुबन्धित अनुक्रिया / शारीरिक अनुबन्धन / मासिक्ल / प्राचीन अनुबन्धन
- ⑭ वी एफ़ स्कूनर ने अपना प्रयोग किस पर किया - क्रूटर (1938)
- ⑮ क्रिया प्रदूष अनुबन्धन सिद्धान्त और किन नामों से जाना जाता है - बैमिति अनुबन्धन / शांतिक अनुबन्धन / उत्तरित अनुबन्धन
- ⑯ गेस्टलूट वाफ़ मनोवैज्ञानिक कौन थे - कोहलर, वर्मिर, कुर्टलेहिन, कुट्टेपक्ष
- ⑰ गेस्टलूट वाफ़ ने उपनां प्रयोग किस पर किया - बनमानूष (सुलाम-नम्भा)
- ⑱ किस अवस्या में बालक स्कैलस्क कार्यों के स्थान पर भाषा का प्रयोग करता है - मुर्द संक्रिया अवस्या (2-7 वर्ष)
- ⑲ किस अवस्या को परिवर्तन की अवस्था या रूबरू की अवस्या कहते हैं - मुर्द प्रतास्तकु काल
- ⑳ मुर्द संक्रिया अवस्या का समय काल - 2 से 11 वर्ष
- ㉑ अधिगम कक्ष का प्रकार - 4 प्रकार
- ㉒ सख्त रेखीय वक्त और किस नाम से जानते हैं? - सामानो उपलब्धि वक्त / लंग रेखा वक्त
- ㉓ उन्नोत्तर वक्त किस नाम से जाना जाता है? - पट्टा प्रतिपादन वक्त
- ㉔ उत्तोत्तर वक्त को और किस नाम से जानते हैं? - बहुत निष्पादन वक्त
- ㉕ विक्षित अधिगम वक्त किस प्रकार का वक्त है? - 3 प्रकार
- ㉖ अधिगम स्थानरण का प्रकार - 3 प्रकार
- ㉗ कर हम से तिरने का अम्बास नार हाथ से लेंसा जन्तु है - हिपामिकु
- ㉘ समान अत्यन्त के सिद्धान्त के प्रतिपादक - आर्द्धाइकु (1904)
- ㉙ सामान्यीकरण सिद्धान्त के प्रतिपादक - C.M. जुड (1908)
- ㉚ असेप्टि सिद्धान्त के प्रतिपादक - गेस्टलूट वाफ़
- ㉛ बाग्ले के सिद्धान्त के प्रतिपादक - W.C. वाले

उत्तर प्रदेश स्पैशल (पम्बिरण)

- ① ३० प्र० का कुल लोकसंख्या - २,४०,१२८ लाख।
- ② सर्वाधिक लोकों वाले ज़िले - लखनऊ, सोनभद्र, हरियाणा
- ③ ३० प्र० का अकालीय विस्तर - २३°५२'N से ३०°३१'N तक
- ④ ३० प्र० का देशान्तरीय विस्तर - ७७°३'E से ८५°३३'E तक
- ⑤ न्यूनतम लोकों वाले ज़िले - हापुड, गजियाबाद, संतरविदास नगर
- ⑥ ३० प्र० का गठन - २५ जनवरी १९५०
- ⑦ ३० प्र० के १३ ज़िलों को काटकर ३० प्र० से अलग मैंने राज्य बना - उत्तराञ्चल
- ⑧ ३० प्र० की प्रशासनिक राजधानी - लखनऊ
- ⑨ ३० प्र० की अधिक राजधानी - प्रयागराज
- ⑩ ३० प्र० का राजकीय पश्चु - बारहसिंगा
- ⑪ ३० प्र० का राजकीय पश्ची - सारस / छोच
- ⑫ ३० प्र० का राजकीय पश्च - पवार / टेंसु
- ⑬ ३० प्र० का राजकीय खेत - होकी
- ⑭ ३० प्र० में राजकीय भाषा - हिन्दी (१९५७ में द्वारा, १९६४ में लाया)
- ⑮ ३० प्र० का राजकीय चिन्ह - एक तूह में तीर - धनुष तथा दो मक्कली
- ⑯ ३० प्र० के सर्वाधिक ज़िलों में सर्व करने वाला राज्य - मध्यप्रदेश
- ⑰ सर्वाधिक राज्यों में सर्व करने वाला ज़िला - सोनभद्र
- ⑱ ३० प्र० को द्वितीय दिशाओं से लेकर तीव्र राज्य - मध्यप्रदेश
- ⑲ ३० प्र० में मण्डल - १४
- ⑳ नकाहित मण्डल - अलीगढ़
- ㉑ ३० प्र० में ज़िला - ७५
- ㉒ ३० प्र० में लोकसभा सीट - ४०
- ㉓ ३० प्र० में व्यवसाय सभा सीट - ३१
- ㉔ ३० प्र० में विदान सभा सीट - ५०४
- ㉕ ३० प्र० का नटु - ग्रीष्म, बर्षा, शरद
- ㉖ सर्वाधिक गर्भ ज़िला - आगरा और होंसी
- ㉗ सर्वाधिक न्यूनतम गर्भ ज़िला - कर्नली
- ㉘ सर्वाधिक तर्ह ताल ज़िला - गोरखपुर
- ㉙ न्यूनतम तर्ह ताल ज़िला - मधुयामुद्रा
- ㉚ सर्वाधिक तर्ह महीना - जनवरी
- ㉛ ३० प्र० की लृषि - रवि, जायद, खरीफ
- ㉜ रत्नपुर - अकब्बपुर- दिल्लीपुर (गोदू, चना, मट्ट, सरसो, मसूर)
- ㉝ जायद फसल - मार्च - अप्रैल (खरबूज, ऊँडी, खीरा)
- ㉞ खरीफ फसल - मई - जून (धान, मक्का, ज्वार, बाजरा)

- ① परिवहन के माध्यम - जल परिवहन, सड़क परिवहन, रेल परिवहन, वायु परिवहन
- ② भारत में बड़े बन्दरगाह - 13
- ③ भारत के होटे बन्दरगाह - लगभग 200
- ④ काण्डला बन्दरगाह - गुजरात (पहला करमुख) पं. दीनदयाल उपाध्याय वर्तमान नाम
- ⑤ मुम्बई बन्दरगाह - महाराष्ट्र (सबसे बड़ा प्राकृतिक एवं व्यस्त बन्दरगाह)
- ⑥ नहातजोता बन्दरगाह - दक्षिण मुम्बई (मानव निर्मित) पं. जवाहरलाल नेहरू वर्तमान नाम
- ⑦ मारमुगांव बन्दरगाह - गोवा में जुआरी नदी के द्वचुरी
- ⑧ न्यूमाल्टोर बन्दरगाह - कर्नाटक (होट प्राकृतिक बन्दरगाह)
- ⑨ कोनील बन्दरगाह - केरल (त्रिपुरा बन्दरगाह)
- ⑩ त्रिपुरा बन्दरगाह - तमिलनाडू (मरुषपन्तन) वी. प्रो. चित्तपुरम् वर्तमान नाम
- ⑪ रानन्देर बन्दरगाह - तमिलनाडू (काम्पुटीकृत बन्दरगाह) कमराल नर्तजान नाम
- ⑫ चेन्नई बन्दरगाह - तमिलनाडू (पहला मानव निर्मित)
- ⑬ विशाखापट्टनम बन्दरगाह - आनंदप्रकेश (सबसे गहरा बन्दरगाह)
- ⑭ पाराटीप बन्दरगाह - बड़ीसा (स्थलवहू बन्दरगाह)
- ⑮ हल्किया बन्दरगाह - परिवम बंगाल
- ⑯ कोल्काता बन्दरगाह - परिवम बंगाल (डायमण्ड हावर) डा. श्यामा प्रसाद
मुखर्जी वर्तमान नाम
- ⑰ ग्रो का वर्गिकण - आन्तरिक ग्रह, कुछ ग्रह, बाह्य ग्रह, बौने ग्रह
- ⑱ सबसे बड़ा ग्रह - कृत्स्नपति
- ⑲ सबसे क्षेत्र ग्रह - बुध
- ⑳ सूर्य के सर्वाधिक नजदीक ग्रह - बुध
- ㉑ सूर्य के सर्वाधिक दूर ग्रह - वसुण
- ㉒ सर्वाधिक तापान्तर ग्रह - बुध
- ㉓ सर्वाधिक तापमान ग्रह - शुक्र
- ㉔ नीलिला ग्रह - शुक्र
- ㉕ पृथ्वी की बहन, सौन्दर्य की देवी - शुक्र
- ㉖ भौरव साक्ष क्रतरा - शुक्र
- ㉗ पृथ्वी के नवसे नमीकृ ग्रह - शुक्र
- ㉘ नीला ग्रह - पृथ्वी
- ㉙ लाल ग्रह - मंगल
- ㉚ किरा ग्रह में जीवन का समाप्तना है - मंगल
- ㉛ मास्टर आफ जाड - कृत्स्नपति
- ㉜ नीला ग्रह - कृत्स्नपति
- ㉝ नेपला ग्रह - शनि
- ㉞ छरा ग्रह - अरुण
- ㉙ लेटा ग्रह - अरुण
- ㉞ ठण्डा ग्रह - अरुण

बाल-विकास

- ① सामान्य रूप से मानव विकास को कितने अवस्थाओं में जाना गया है - 5 अवस्था
- ② ग्रामविहार का समय काल - ग्रामविहार से जन्म तक
- ③ ऐरावातस्या का समय काल - जन्म से पांच वर्ष तक
- ④ बल्यावस्या का समय काल - 8 वर्ष से 12 वर्ष
- ⑤ किशोरावस्या का समय काल - 13 वर्ष से 18 वर्ष
- ⑥ प्रेदावस्या का समय काल - 19 वर्ष से अधिक
- ⑦ टेमहर के कारण उपत्थित में आपा परिवर्तन ही सीखना है - गिलब्रेट
- ⑧ सीखने का नियम किसने किया - आर्डिझ्ल
- ⑨ आर्डिझ्ल ने कितने सीखने का नियम किया - 3 (त्सरल, अम्बास, प्रभाव)
- ⑩ जैज नियम कितने होते हैं? - पांच प्रकार
- ⑪ आर्डिझ्ल ने किसके ऊपर प्रयोग किया - बिल्ली (1912)
- ⑫ कृते पर किस मनोवैज्ञानिक ने प्रयोग किया - डिवान वी पावलव (1904)
- ⑬ मनुष्यित मनुकिया के सिद्धान्त और किन नामों से जाना जाता है - अनुबन्धित अनुक्रिया / शारीरिक अनुबन्धन / मासिक्ल / प्राचीन अनुबन्धन
- ⑭ वी एफ़ स्कूनर ने अपना प्रयोग किस पर किया - क्रूटर (1938)
- ⑮ क्रिया प्रदूष अनुबन्धन सिद्धान्त और किन नामों से जाना जाता है - बैमितिक अनुबन्धन / शांतिक अनुबन्धन / उत्सर्जित अनुबन्धन
- ⑯ गेस्टलूट वाफ़ मनोवैज्ञानिक कौन थे - कोहलर, वर्मिर, कुर्टलेहिन, कुट्टेपक्ष
- ⑰ गेस्टलूट वाफ़ ने उपनां प्रयोग किस पर किया - बनमानूष (सुलाम-नम्भा)
- ⑱ किस अवस्या में बालक स्कैलर्स कार्यों के स्थान पर भाषा का प्रयोग करता है - मुर्द संक्रिया अवस्या (2-7 वर्ष)
- ⑲ किस अवस्या को परिवर्तन की अवस्था या रूबरु की अवस्या कहते हैं - मुर्द प्रतास्तकु काल
- ⑳ मुर्द संक्रिया अवस्या का समय काल - 2 से 11 वर्ष
- ㉑ अधिगम कक्ष का प्रकार - 4 प्रकार
- ㉒ सरल रेखीय वक्त और किस नाम से जानते हैं? - सामानो उपलब्धि वक्त / लंग रेखा वक्त
- ㉓ उन्नोत्तर वक्त किस नाम से जाना जाता है? - पट्टा प्रतिपादन वक्त
- ㉔ उत्तोत्तर वक्त को और किस नाम से जानते हैं? - बहुत निष्पादन वक्त
- ㉕ विक्षित अधिगम वक्त किस प्रकार का वक्त है? - 3 प्रकार
- ㉖ अधिगम स्थानरण का प्रकार - 3 प्रकार
- ㉗ कर हम से तिरने का अभ्यास नार हाथ से लेंसा जन्तु है - हिपार्मिकु
- ㉘ समान अत्यन्त के सिद्धान्त के प्रतिपादक - आर्डिझ्ल (1904)
- ㉙ सामान्यीकरण सिद्धान्त के प्रतिपादक - C.H. लुड (1908)
- ㉚ असेप्टि सिद्धान्त के प्रतिपादक - गेस्टलूट वाफ़
- ㉛ बाग्ले के सिद्धान्त के प्रतिपादक - W.C. वाले

संस्कृत

- ① तिमुनी कौन-है - पतंजली, पाणिनी, काल्याणन
- ② मेष्टर सूत्र का क्षमा से प्राप्त हुआ? - शंकर जी के उमर से
- ③ आचार्य पाणिनी के मान, पिता तथा गुरुजा नाम - माता लक्ष्मि, पिता वर्त्तक
- ④ प्रवठाध्यार्थी में कितने पाद, कितने घुट हैं - 32 पाद, लगभग 4000 घुट
- ⑤ प्रवठाध्यार्थी को विश्वने में कितने पपकुरणों का प्रयोग किया जाया - 6
- ⑥ वर्तिका किसमें लिखी गयी है? - वाक्य में
- ⑦ महाभाष्य ग्रन्थ के रूपानाकार - पतञ्जलि
- ⑧ महेश्वर सूत्रों की संख्या - 14
- ⑨ मूळस्तर - 5
- ⑩ दोलस्तर - 9
- ⑪ अद्वैतस्तर - 4
- ⑫ प्रत्याहार - 43
- ⑬ व्यञ्जन - 33
- ⑭ मूलस्तर - अ, इ, उ, ऊ, ल
- ⑮ समुद्र स्तर - रु, ए, ओ, औ
- ⑯ स्वर के प्रकार - हस्त स्वर्ण, दीर्घ स्वर, मिलित स्वर
- ⑰ व्यञ्जन के प्रकार - उपर्युक्त, अन्तर्स्थ, क्लृप्त
- ⑱ नार्तिका छल्क में सभी माता गुरु होने पर - ग्रगण
- ⑲ नार्तिका छल्क में सभी माता लघु होने पर - चंगन
- ⑳ समास के भेद - केवल समास ① प्रत्ययी भाव ② तेलुरुष ③ बहुवीहि ④ छन्द
- ㉑ ताच के प्रकार - ① कृत ताच ② कृम ताच ③ भाव ताच
- ㉒ सन्धि के प्रकार - ① स्वर सन्धि ② व्यञ्जन सन्धि ③ विस्त्रित सन्धि
- ㉓ काल्पनिकी, हृषीकरितम्, वर्णीशातकम् के लेखक - बागवटट
- ㉔ पंचतन्त्र के लेखक - विष्वुब्राह्मि
- ㉕ मेधावितम् के रूपानाकार - कालिदास
- ㉖ गंगालही के रूपानाकार - एंड जग-बाध
- ㉗ हर्षतिर्थि के प्रमुख नाटक - प्रियदर्शिका, रघुवंशी, नामानन्द
- ㉘ मुद्राराजाशाम् का लेखक - विशारदकृत
- ㉙ जिन तर्णों के उत्तराखण में तामु की रुग्ण से उपल्ल दोती है - कृष्ण व्यजन
- ㉚ क्रिया के साथ ही ही संताप रखने वाले शब्दों को क्या कहा जाता है - कारक
- ㉛ कारक की संख्या - 6
- ㉜ ① कृति कारक, ② कृमि कारक, ③ भविकल्प में विभिन्न - प्रगमा ④ हितीय ⑤ सत्त्वी
- ㉝ कर्मवाच्य में किस प्रकार के क्रियाओं का प्रयोग होता है? - केवल अकर्मकि
- ㉞ आवलात्प में किस प्रकार के क्रियाओं का प्रयोग होता है? - अकर्मकि
- ㉟ कर्त्त्ववाच्य किस प्रकार की क्रियाओं के नाम होते हैं? - सकर्मकि एवं अकर्मकि
- ㉛ सिद्धान्त को भुद्धी किसकी रूपना है? - भटोपी दीक्षित

- ① पारिस्थितिकी तंत्र शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया - रा. जी. टान-स्ट्रे
- ② पारिस्थितिकी शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया - अर्नेस्ट डैकल (1935)
- ③ गहन पारिस्थितिकी के जनक - अर्नेस्ट नीस
- ④ भारतीय पारिस्थितिकी के जनक - प्रो. रामदेव मिश्रा
- ⑤ पर्यावरण के भौतिक या अर्थात् बटकु - वायु, जल, मूँदा, खनिज, अकाशीयिक तंत्र (नाइट्रोजन, फार्स्फोरस), कार्बनिक तंत्र (वसा, प्रोटीन)
- ⑥ पर्याक्रिया के अर्थात् बटकु - पेड़, पौधे एवं जीव जन्तु
- ⑦ प्रकृति के महत्व / सफाई कर्मी - अपघटक (जीवाणु, कवक)
- ⑧ पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा का सर्वान्तर स्रोत - सौर ऊर्जा
- ⑨ प्रकृष्ट इस्लामिक पारिस्थितिकी तंत्र - नदी, झील, वन, घास आदि नैदान, सामर
- ⑩ मानव निर्भीत पारिस्थितिकी तंत्र - पार्क, बगीचा, नहर, तालाब, झेंडा
- ⑪ सबसे स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र - समुद्र, महासागर
- ⑫ खाद्य मूल्यवा में ऊर्जा का प्रवाह - रक्षितीय
- ⑬ खाद्य जाल में ऊर्जा का प्रवाह - बहुक्रियीय
- ⑭ ऑरजिन औफ स्पीशीज के लेखकु - चार्ल्स डाविन
- ⑮ फिलोसोफी खुलोपिक्ट के लेखकु - लैमार्क
- ⑯ लैमार्किन ना सिद्धान्त - लैमार्क
- ⑰ डाविनिक ना सिद्धान्त - चार्ल्स डाविन
- ⑱ उत्तरितन काक का सिद्धान्त - हयुगो डी ब्राह्म
- ⑲ पारिस्थितिकी तंत्र का आतंकनाली तृष्णा - सफेद (म्यूलेलिट्स)
- ⑳ किसानों का मिल - केनुआ
- ㉑ भौतिक चक्र को नियन्त्रित करते हैं - वन
- ㉒ खाद्य मूल्यवा का क्रम है - उतारकु - उपभोक्ता - अपघटकु
- ㉓ सभी पारिस्थितिकी तंत्रों में ऊर्जा का पिरामिड सैकेत होगा - सीधा
- ㉔ किसी परितंत्र में रासायनिक तंत्रों का नक्शा कहलाता है -
- ㉕ दूस प्रतिशत का नियम के ताले भैव - भू-सायायनिक चक्र
- ㉖ एक माल महावीर जहाँ घास पारित नहीं पाया जाता है - लिंडेमान (1942)
- ㉗ सबसे धोटा पारिस्थितिकी तंत्र - रक्षयेरियम
- ㉘ सबसे बड़ा छन्निम पारिस्थितिकी तंत्र - धान का रखेत
- ㉙ पारिस्थितिकी तंत्र का मिल - नीमा, पीपल, बरगद, तुलसी
- ㉚ भौतिक एवं प्रणीतीय घटकों में सम्बन्ध स्पाफित करते हैं - अपघटकु

संस्कृतहन्द परिवय

<u>हन्द</u>	<u>मांगार्य</u>	
अहीर	11	
तोमर	12	
मानन	14	
चौपाई	16	
राधिका	22	
रोला	24	
रूपमाला	24	
रीतिका	26	
सरसी	27	
हरिगीतिका	28	
वीर या आत्मा	31	
बर्णे	प्रथम और हृतीय में - 12 द्वितीय और चतुर्थ में - 07	
दोहा	प्रथम और हृतीय में - 13 द्वितीय और चतुर्थ में - 11	
सोरठा	प्रथम और हृतीय में - 11 द्वितीय और चतुर्थ में - 13	
उल्लाला	प्रथम और हृतीय में - 15 द्वितीय और चतुर्थ में - 13	
कुण्डलिया	दोहा + रोला	
धृपय	रोला + उल्लाला	
		विषम मातिकु <u>हन्द</u>

महाल्पुर्वी संस्कृत गिनाती

10

- (1) १ - एकः
- (2) २ - द्वौ | द्वि
- (3) ३ - त्रयः
- (4) ४ - चत्वारः
- (5) ५ - पञ्च
- (6) ६ - षट्
- (7) ७ - सप्त
- (8) ८ - अष्ट / अष्टवै
- (9) ९ - नव
- (10) १० - दश
- (11) ११ - एकादश
- (12) १२ - द्वादश
- (13) १३ - त्र्योदश
- (14) १४ - चतुर्दश
- (15) १९ - नवदश | एकोननिंशति | उनविंशति
- (16) २० - विंशतिः
- (17) २१ - नवतिराहि | एकोनतिराहि | उनतिराहि
- (18) ३० - तिंशत्
- (19) ३१ - नवतिंशत् | एकोनचत्वारिंशत्
- (20) ४० - चत्वारिंशत्
- (21) ४१ - नवचत्वारिंशत् | एकोनपचाशत्
- (22) ५० - पचाशत्
- (23) ५१ - नवपचाशत् | एन्नो-पचाशति;
- (24) ६० - षष्ठिः
- (25) ६१ - नवषष्ठिः | एकोनसात्ति:
- (26) ७० - सप्ततिः
- (27) ७१ - नवसप्ततिः | एकोननावतिः,
- (28) ८० - अश्शीर्तिः
- (29) ८१ - नवाश्शीर्तिः | एकोननवतिः | उननवतिः
- (30) ९० - नवतिः
- (31) ९१ - नवनवतिः | एकोनशतम्
- (32) १०० - शतम्
- (33) १००० - सहस्रम्
- (34) १०००० - उभुतम्
- (35) १००००० - अष्टशतम्
- (36) १०००००० - निष्पत्तम् / प्रसुतम्
- (37) १००००००० - कोटि:
- (38) १०००००००० - दशकोटि.
- (39) १००००००००० - कर्त्तुलम्
- (40) १०००००००००० - रुद्रम्

- 20
- हिन्दी
- (४६) शब्दालंकार - जहाँ शब्दों के करण कविता में सौन्दर्य या नमानकर उत्सुन हो, वहाँ शब्दालंकार होता है - यह ३ प्रकार का होता है
- (४७) ग्रन्थप्रास अलंकार - जहाँ एक ही वर्ण की आवृत्ति वर्ष-२ छोटायी वर्ष वहाँ ग्रन्थप्रास अलंकार होता है-
- तरनि तनुजा तट तमाल तरखट वडु कार
- (४८) ममकु अलंकार - जहाँ कोई एक ही शब्द का वर्ष-२ अस्ये किन्तु उसका सर्व अलग-२ हो।
- कनक - कनक ते खो गुनी मारुकु अधिकार
वा रवाये बोरार नर या पाये बोरार
- (४९) श्लोष अलंकार - जहाँ किसी एक शब्द के एक से अधिक अर्थ चरण भरत चिन्ता करत, विनवत चारहु और सुवर्णा को लोजत फिर, कवि व्यभिन्नारी चार
- (५०) अमलिंकार - जहाँ अर्थों के करण कविता में अमलिंकार उत्सुन हो अमलिंकार होता है।
- (५१) उपमा अलंकार - जहाँ उपमेय में उपमान की तुलना की जाए उदाहरण हरि पढ़ सेमत झगत से
- (५२) रूपक अलंकार - जहाँ उपमेय में उपमान का भेद रहत जायेप हो उदाहरण कमल बनको हरि राई
- (५३) उत्तेजा अलंकार - जबै उपमेय में उपमान की संभालना की जाती है मानो, जानो, मनु मार्कि बाचकु शब्द हो।
- उदाहरण सोहट ओडे पीत पट, स्वाम सबोने जात मनो नीलगनि भैल पर, जातप परसो प्रभात
- (५४) संकेट अलंकार - जहाँ संकेट उत्सुन हो
- उदाहरण सारी बीच नारी है, कि नारी बीच खारी है कि सारी ही कि नारी है कि नारी ही कि सारी है
- (५५) दुल्हनीकास की रचना - कविता बली, दोषावली, विनय पतिला, गमितावली, रामचरित मानस आदि।
- (५६) सुरक्षा - सुरसागर, सुरसारावली, सारित लहरी
- (५७) रसस्वान की रचना - सुजान रसस्वान, प्रेम नाटिका, कानलीला
- (५८) मैथिली सरण गुलत की रचना - खालेत, भारत - भारती, पञ्चकी, अलंकार
- (५९) दरिकंडा राय बच्चन - मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश निमंत्तता
- (६०) जयशंकर प्रसाद - कालन कुचुम, प्रेमपर्मिकु, जस्ता, ओसु, कामशानी
- (६१) रामधारी सिंह दिनकर - हुंकार, डिलासा के मालू, धूप और धुमा
- (६२) सुरक्षांत निपाठी निराला - गीतिका, तुल्सीकास, परित, उत्तमिका

- (3) प्रमग तुहि परीक्षा किस भाषा में हुआ - फ्रैंच
- (32) I.O का सुन्दर हिया - वित्तियम् स्टर्न
- (33) तुहि का पदानुशार्मिक सिद्धान्त - बट्ट व वननि
- (34) तुहि का तिचायामी सिद्धान्त - जेपी गिलफोर्ड
- (35) तुहि का 'क्षत्तमा रन' का सिद्धान्त - ट्रैव
- (36) तुहि का तरल लोस सिद्धान्त - कैटल
- (37) तुहि का बहुतुहि सिद्धान्त - गार्डनर
- (38) प्रपग तुहि परीक्षण में प्रश्नों की संख्या - 30
- (39) प्रयल त भल से सिद्धान्त - थार्नियर
- (40) भाषा का विकास सिद्धान्त - नोआम लोमस्की
- (41) बाल अपराध विज्ञान का जनक - सीजर लोमस्को
- (42) सामाजिक अधिगम का सिद्धान्त - अल्बर्ट बण्डुरा
- (43) भाषीय सफेदता का सिद्धान्त - ट्हार्फ
- (44) मनोसामाजिक सिद्धान्त - डॉ. सरिक्सन
- (45) सरननाल्टक अधिगम का सिद्धान्त - अल्बर्ट बण्डुरा
- (46) निन्द का सिद्धान्त - टालमैन
- (47) भल - भलैया टेस्ट - पोरटियस
- (48) सम्प्राप्तना का सिद्धान्त - टालमैन
- (49) व्यक्तित्व का टाई ए व टाई वी सिद्धान्त - फ्रीडमैन व रोजेन मैन
- (50) व्यक्तित्व के घरक I.D, Ego, प्रृथम Ego नताये - सिणमंड फ्रायड
- (51) I.B.T परीक्षण - हरमन रेखा
- (52) 16 P.F परीक्षण - कैटल
- (53) आमी झल्का व लीटी परीक्षण - ओरिस ए.स्स.
- (54) स्वतन्त्र शब्द साहचर्य परीक्षण - फ्रांसिस गाल्टन
- (55) शैशवावस्था के लिये उत्तम विकास विधि है - मार्जेजरी, किल्डरगार्डन, लेल विद्धि
- (56) S-O-R सम्प्राप्तना किया जाया - बुडवर्फ द्राय
- (57) संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने लाभा कार्ल - मानविक योग्यता
- (58) रिक्तोंनों की आयु कहा जाता है - पूर्व बाल्यावस्था को
- (59) गिरोह की भाग्ना प्रवृत्ति किस अवस्था से सम्बन्धित है - किशोरावस्था
- (60) बाल विकास में प्रवृत्ति किया जाता है - ग्रामविक्षया से किशोरावस्था तक
- (61) दान का सिद्धान्त व्याख्या करता है - किशोरावस्था का
- (62) मुझे नवजात शिशु दो मैं उसे डॉ., वनील, नोर या जो -पांडे वना लकड़ा हैं कृपन किसका है - वाट्सन का

- ① वर्ण संबले जीटी शाई है - भाषा
- ② हनियों के लिखित रूप को कहते हैं - वर्ण
- ③ वर्णों के व्यवस्थित स्पृह को कहते हैं - अभियाला
- ④ वर्ण के भेद - 2 (स्वर, व्यंजन)
- ⑤ स्वर के प्रकार - 3 (हस्त, धीर्घ, लुट)
- ⑥ व्यंजन के प्रकार - 5 (रण्ड, अन्तर्ष्य, ऊम, संयुक्त, द्विगुण)
- ⑦ स्वरों की संख्या - 11
- ⑧ 11 स्वरों की कुल मात्राएँ - 10
- ⑨ माला के आधार पर स्वर - 3 (हस्त, धीर्घ, लुट)
- ⑩ जिह्वा के आधार पर स्वर - 3 (अग्रस्वर, मध्यस्वर, पश्चस्वर)
- ⑪ मुख के खुलने के आधार पर स्वर - 64 (विहृत, अहृतिवृत, रंघृत, अहृसंवृत)
- ⑫ स्पर्श व्यंजन में कर्मों की संख्या - 5 (क, च, ट, र, प)
- ⑬ स्पर्श व्यंजनों की संख्या - 25
- ⑭ अन्तर्ष्य व्यंजन की संख्या - 4 (य, इ, र, ल, व)
- ⑮ ऊम व्यंजन की संख्या - 4 (या, ष, स, ह)
- ⑯ कुल व्यंजन की संख्या - 33
- ⑰ शोषल के आधार पर व्यंजन के भाग - 2 (अपोष, घोष)
- ⑱ प्राणल के आधार पर व्यंजन के भाग - 2 (उम्प्राण, मद्प्राण)
- ⑲ अ, उ, इ, औ, न, म का उच्चारण स्थान - लोकिका
- ⑳ कर्म, अ, आ, अः, ह विसर्प - कठुय
- ㉑ च कर्म, ह, ई, य, ओ - तालव्य
- ㉒ ट कर्म, झ, ष, र - मुख्य
- ㉓ य कर्म, ऊ, ऊ - जोख्य
- ㉔ ह कर्म, स - दंक्त
- ㉕ दो वर्णों के योग से बने वर्ण - संयुक्त व्यंजन
- ㉖ क्ष = कु+ष, त्त = त्त+र, ष्ट = ष्ट+म, भ्ल = श्ल+र
- ㉗ द्विगुण व्यंजन - 2 (ड, ढ)
- ㉘ अयोग ताह - (अ, अः)
- ㉙ देवनागरी लिपि में कुल वर्ण - 52
- ㉚ ताल्य के मंग - 2 (उद्गेय, विधेय)
- ㉛ वास्त्र के भेद - 2 (रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर)
- ㉜ रचना के आधार पर भेद - 3 (सरल, मिश्रित, संयुक्त)
- ㉝ अर्थ के आधार पर भेद - 8
- ㉞ विस्त जा अर्थ - ठहरात

पर्यावरण

- ① भारतीय पर्यावरणिकी तल के जनक - डॉ रामदेव मिस
- ② निश्चत में सतर्गिधक जैव विविधता किस देश में पार्वी जाती है - ब्राजील
- ③ भारत में सतर्गिधक जैव विविधता - केरल (शान्त घाट)
- ④ ग्रन्लैंडीय जैव विविधता दिनांक - 22 मई
- ⑤ निश्चत में कुल घोटस्पार्ट - 36
- ⑥ सतप्रियम हंडरस्पार्ट शॉफ का प्रयोग किया - नार्मन मार्टिन (1988)
- ⑦ फूलों की जारी कहा है? - उत्तराखण्ड (नमोली)
- ⑧ आ- गिर राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है? - गुजरात
- ⑨ सुन्दरगढ़ राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है? - पं. बंगाल
- ⑩ कान्स राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है? - मध्य प्रदेश
- ⑪ निश्चत जा प्रथम राष्ट्रीय उद्यान - मेलोस्वेन (USA) 1872
- ⑫ भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान - जिम कार्बिट 1936
- ⑬ भारत में सतर्गिधक राष्ट्रीय उद्यान - अज्जमान निकोबार द्वारा मध्य प्रदेश
- ⑭ भारत में कुल जैव प्रष्टल आरक्षित हेल - 18
- ⑮ गुनेश्वर के द्वारा मान्यता प्राप्त जैव प्रष्टल आरक्षित हेल - 11
- ⑯ प्रथम जैव प्रष्टल आरक्षित हेल - नीलगिरि (1986)
- ⑰ रुक सींग नाला गेंडा - काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम)
- ⑱ रामल कंगाल टाइगर - सुन्दरगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (पं. बंगाल)
- ⑲ वर्तमान समय में भारत में सतर्गिधक नाम है - मध्यप्रदेश (526)
- ⑳ अन्तर्राष्ट्रीय लाघ फिल्स - 23 फुटाई
- ㉑ निश्चत हाथी फिल्स - 12 अगस्त
- ㉒ निश्चत गेंडा फिल्स - 22 सितम्बर
- ㉓ बन मधोत्सव - फलकरी झंक नुलाई का प्रथम सालाह
- ㉔ वन्य जीव सालाह - 1 से 7 अक्टूबर
- ㉕ राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता मार्ट - 19 अक्टूबर से 18 नवम्बर
- ㉖ निश्चत जल संरक्षण फिल्स - 22 मार्च
- ㉗ निश्चत पृथ्वी फिल्स - 22 अप्रैल
- ㉘ निश्चत पर्यावरण फिल्स - 5 जून
- ㉙ निश्चत जनसंरक्षण फिल्स - 11 फुलाई
- ㉚ निश्चत ओजोन संरक्षण फिल्स - 16 सितम्बर
- ㉛ निश्चत वन्य जीव फिल्स - 3 मार्च
- ㉜ निश्चत पर्यावरण संरक्षण फिल्स - 26 नवम्बर
- ㉝ निश्चत एड्स फिल्स - 1 दिसंबर
- ㉞ चलोवत नार्मिंग के 9 लिय सक्से भण्डार उत्तरदायी राष्ट्र - चीन, अमेरिका
- ㉙ ताजमहल के पीले होने का कारण - सत्तर डाई आइसोइड (102)